हमारे सूचना संकट से निपटने के लिए 10 सूचीय योजना

2021 नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मारिया रेसा और दिमित्री मुराटोव द्वारा 2 सितंबर 2022 को अभिव्यक्तिक तथा स्वतंत्रता सम्मेलन (Freedom of Expression Conference), Nobel Peace Center, Oslo में प्रस्तुत

हम एक ऐसी दुनिया का आहवान करते हैं जिसमें प्रौद्योगिकी की मानवता की सेवा के लिए बनी हो और जहाँ हमारा वैश्विक सार्वजनिक स्थल लाभ की अपेक्षा मानवविधियों की रक्षा करता हो।

इस समय, हमारे समाज को आगे बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी की विशाल क्षमता को व्यापार मॉडल और प्रमुख ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के डिजाइन द्वारा कमतर अंका गया है। लेकिन हम सता में बैठे सभी लोगों को याद दिलाना चाहते हैं कि सच्ची मानवीय प्रगति सभी के अधिकारों और स्वतंत्रता को आगे बढ़ाने वाली प्रौद्योगिकी के उपयोग से आती है, न कि चंद लोगों की सम्पत्ति और सता के लिए उनका ल्याग करने से।

हम अधिकारों का सम्मान देने वाले प्रजातंत्र राष्ट्रों से आया करते हैं कि हम लोगों के डेटा के एकत्रीकरण और ध्यान आकर्षण पर नजर देखवा लें जब इसके विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर रक्षा दें।

जब तथ्य वैधिक हो जाते हैं और विश्वास गायब हो जाता है, तो हम सताध्यायियों को जाबवत हो नहीं बना पाएँगे। हम एक ऐसे सार्वजनिक मंच की आवश्यकता है जहाँ विचारों के स्वस्थ आदान-प्रदान के साथ विश्वास को बढ़ावा देना, कंपैक्ट मुनाफे से कहीं स्वस्थ मूल्यवान है और जहाँ परिशुद्ध पत्रकारिता शर-शराबे के बीच अपना रास्ता बनाएँ।

दुनिया भर में कई सरकारों ने सता हथियारे और उसे संशोधित करने के लिए इन मंचों के लास्च का फायदा उठाया है। इसलिए वे व्यवस्था प्रेस पर भी हमला करते हैं और उसका भी मुंह बंद कर देते हैं। जार्नलिस्ट, हम संकट से निपटने के लिए इन सरकारों पर धौलख नहीं किया जा सकता है। यह हम में अपने अधिकारों को खंडित व्यापार मॉडल को बनाए रखने के उद्देश्य से सक्रिय रूप से दुर्मिलाहार, अम्बारा भाषा और दुर्निर्धार को बढ़ावा देने वाली प्रौद्योगिकी कंपनियों के हाथों में नहीं सीमित चाहिए।

परिणामी विषयक सूचना पारिस्थितिक क्षेत्र पर अपरिहार्य नहीं है। सताध्याय लोगों को एक ऐसी दुनिया का निर्माण करने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए जो मानवविधिकार, गरिमा और सुरक्षा को सर्वप्रथम माने, जिसमें वैज्ञानिक और पत्रकारिता के तरीकों और परीक्षित ज्ञान के रक्षा करना भी शामिल हो। ऐसी दुनिया का निर्माण करने के लिए, हमें चाहिए कि:
फायदे के लिए चौकसी वाले व्यापार मॉडल को समाप्त करें

आज के सुचना पारिष्ठितिकीतक तंद्र के अद्व्य्य 'संपादक' तकनीकी कंपनियों द्वारा निमित्त अपारदर्शी एल्गोरिदम और अनुवांशिक प्रणाली हैं जो हमें तैक और लक्षित करते हैं। वे स्वी देवेश, जातिवाद, पृणा, कबाई विज्ञान और डुप्ल्यूरुर को बदलते हैं - "संस्करण" बदलने के लिए अथक निगरानी के साथ हर सामाजिक विघटनकारी विभाजन को हत्यारा बना देते हैं। यह फायदे के लिए चौकसी वाला व्यापार मॉडल छल से हमारी कमियत सहमति के आधार पर बनाया गया है। लेकिन हमें प्लेटफॉर्म और डेटा कंपनियों को मुफ्त में हमारे व्यविस्तार डेटा का उपयोग करने देना या आधुनिक जगत के फायदों से बचित रहने के बीच किसी एक का चयन करने के लिए मजबूर करना कोई विकल्प नहीं है। कॉपीराइट निगरानी की विशाल मशीनरी न केवल हमारे निजीता के अधिकार का दुरोपयोग करती है, वल्क्ल हमारे डेटा को हमारे खिलाफ इस्तेमाल करने की अनुमति देती है, हमारी स्वतंत्रता को कम करती है और भेदभाव को सक्षम करती है।

इस अनैतिक व्यापार मॉडल को विश्व रूप पर नियंत्रित किया जाना चाहिए, जिसमें चौकसी विज्ञान को समाप्त करना शामिल है जिसमें लोगों ने कभी नहीं चाहा और जिसके बारे में हम आंकसर अनजान होते हैं। यूरोप ने Digital Services and Digital Markets Acts (डिजिटल सेवाओं और डिजिटल मार्केट अधिनियम) के साथ शुरुआत की है। अब इन्हें उन तरीकों से लागू किया जाना चाहिए जो प्लेटफॉर्म को अपने डिजाइन को जोखिम से मुक्त करने, उनके एल्गोरिदम का विष्मेहण करने और उपयोगकर्ताओं को वास्तविक नियंत्रण देने के लिए मजबूर करते हैं। गोपनीयता और डेटा अधिकार को भी, जो वर्तमान में काफी कालपनिक हैं, ठीक तरह लागू किया जाना चाहिए। और विज्ञानविदों द्वारा अपने गाणकों को ऐसे तकनीकी उद्योग से बचाने के लिए अपने धन और प्रभाव का उपयोग करना चाहिए जो अधिक रूप से लोगों को नुकसान पहुँच रहा है।

तकनीकी भेदभाव समाप्त करें और हर जगह लोगों के साथ समान व्यवहार करें

वैश्विक टेक कंपनियों लोगों को उनके ओहदे, सता, राष्ट्रीयता और भाषा के आधार पर असमान अधिकार और सूरक्षा प्रदान करती हैं। हमने हर जगह सभी लोगों की सुरक्षा को समान रूप से व्याख्यानित करते हैं और तकनीकी कंपनियों की विकल्प के दर्दनाक और विनाशकारी परिणामों को देखा है। आनुपातिक रूप से भाषा और सांस्कृतिक योग्यता सुनिश्चित करते हुए, कंपनियों के लिए हर ऐसे देश में मानवाधिकार के जीविकाम का संकट को अक्लन करना कानूनी से अनिवार्य होना चाहिए, जहाँ वे विवाद करना चाहते हैं। उन्हें कंटेंट मॉडेलिंग और एल्गोरिदम के परिवर्तनों पर परदे के पीछे किये गए अपने फ्रैंकस को प्रकाश में लाने के लिए मजबूर करना चाहिए और सममित शक्तिबंध संपन्न और पूर्व वाले लोगों के लिए सभी विषेष छूट समाप्त करना चाहिए। अरसं लोगों को प्रभावित करने वाले इन सुरक्षा, डिजाइन और उपयोग विकल्पों पर निर्धार लेने का काम निगरानी पर नहीं छोड़ा जा सकता है। जनता की भलाई के लिए इंटरनेट में सुधार के लिए परदर्शिता और जवाबदेही निम्न अनिवार्य पहला कदम है।
हम स्वतंत्र पत्रकारिता का अत्याचार के प्रतिकार के रूप में पुनर्निर्माण करें

बड़े तकनीकी प्लेटफॉर्मों ने ऐसी शक्तियों को खड़ा किया है जो ऑनलाइन विज्ञापन को निगलकर स्वतंत्र मीडिया को टबाह कर रहे हैं, साथ ही साथ झूठ और नफरत की तकनीकी-ईंधन वाली सुनामी को सकारात्मक कर रहे हैं जो तथ्यों को खंभा कर देती है। तथ्यों को एक मौका देने के लिए, हमें तकनीकी प्लेटफॉर्मों द्वारा दुष्प्रभाव के प्रसार को समाप्त करना होगा। लेकिन सिर्फ यही पर्याप्त नहीं है। वर्तमान में विश्व की केवल 13% आबादी ही स्वतंत्र प्रेस का उपयोग कर सकती है। नए हमें सताधारियों को जवाबदेह बनाना और पत्रकारों की रक्षा करनी है, तो हमें सही मायने में स्वतंत्र मीडिया में बेजोड़ निवेश की आवश्यकता है जो अपने मूल स्थान से या निर्वासन में काम कर रहा है, जो पत्रकारिता में नैतिक मानदंडों के अनुपालन की प्रवृत्ति करते हुए उसकी स्थिति सुनिश्चित करना हो।

21वीं सदी के समाचार-क़श्तों को भी यह मानते हुए नया, खास रास्ता बनाना होगा कि ईमानदारी से सत्यन्त्र और अधिकारों को आगे बढ़ाने के लिए, उन्हें ऐसे समुदायों की विविधता का प्रतिनिधित्व करना चाहिए जिनकी वे सेवा करते हैं। सरकारों को उन पत्रकारों की सुरक्षा और स्वतंत्रता सुनिश्चित करनी चाहिए, जिन पर तथ्यों के इस दुष्कर्म-स्थायी मोर्चे पर अधिकारिक हमले किए जा रहे हैं, जो कैद किए जा रहे हैं या मारे जा रहे हैं।

हम, दुनिया भर के नोबेल पुरस्कार विजेताओं के रूप में, एक संयुक्त संदेश प्रेषित कर रहे हैं: साथ मिलकर हम अपने जीवन और स्वतंत्रता पर होने वाले इस कॉपोरेट और तकनीकी हमले को खंभा कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए हमें फौरन कार्रवाई करनी होगी। यह उन समाधानों को लागू करने का समय है जो हमारे पास पत्रकारिता के पुनर्निर्माण और समस्त मानवता के लिए वैशिष्ट्य संबंध की तकनीकी संरचना में सुधार लाने के लिए पहले से ही मौजूद है।

हम सभी अधिकारों का सम्मान करने वाली लोकतांत्रिक सरकारों का आह्वान करते हैं कि:

1. तकनीकी कंपनियों से स्वतंत्र मानवाधिकार प्रभाव आकलन क्रियान्वित करने की अपेक्षा करें, जिन्हें सार्वजनिक किया जाना चाहिए, और साथ ही साथ कंटेंट मॉडरेशन से लेकर एल्गोरिदम प्रभाव तक, डेटा प्रोसेसिंग से लेकर सत्यिन्राष्ट्र की नीतियों तक - उनके व्यवसाय के सभी पहलुओं पर पारदर्शिता की मांग करें।

2. सुदृढ़ डेटा संरक्षण कानूनों के साथ नागरिकों के निजता के अधिकार की रक्षा करें।

3. विश्व स्तर पर स्वतंत्र प्रेस और पत्रकारों के खिलाफ दुष्प्रभाव की सार्वजनिक रूप से निंदा करें और हमले की शिकार स्वतंत्र मीडिया और पत्रकारों को धन और सहायता प्रदान करें।

हम यूरोपीय संघ (EU) का आह्वान करते हैं कि:
4. Digital Services and Digital Markets Acts (डिजिटल सेवाएँ और डिजिटल मार्केट अधिनियम) को लागू करने के लिए महत्त्वपूर्ण बने ताकि ये कानून कंपनियों के लिए सिर्फ नई कार्रवाई बन कर न रह जाए और उन्हें अपने व्यापार मोडल में बदलाव लाने के लिए मजबूर करे, जैसे कि एल्गोरिथम प्रवर्धन का समापन, जो मौलिक अधिकारों के लिए खतरा है और गलत जानकारी और घृणा फैलाता है, जिनमें वे मामले भी शामिल हैं जहां जोखिम यूरोपीय संघ की सीमाओं से बाहर उत्पन्न होते हैं।

5. चौकसी विज्ञापन की प्रथा को मानवाधिकारों के साथ मौलिक रूप से असंगत मानते हुए, इस पर प्रतिबंध लगाने के लिए तत्काल कानून प्रस्तावित करें।

6. यूरोपीय संघ के General Data Protection Regulation (सामान्य डेटा संरक्षण विनियमन) को उचित रूप से लागू करें ताकि लोगों के डेटा अधिकार अंततः वास्तविकता में तब्दील हो जाएँ।

7. आगामी European Media Freedom Act (यूरोपीय मीडिया स्वतंत्रता अधिनियम) में पत्रकारों की सुरक्षा, मीडिया संवहनीयता और डिजिटल स्पेस में लोकतांत्रिक गारंटी के लिए मजबूत सुरक्षा उपयोग को शामिल करें।

8. धारा के प्रतिकूल गलत सूचनाओं को पहले ही मिटाते हुए मीडिया की स्वतंत्रता की रक्षा करें। इसका मतलब है कि किसी भी नई तकनीक या मीडिया कानून में किसी भी संगठन या व्यक्ति के लिए कोई विशेष छूट या नियममें अपवाद नहीं होने चाहिए। वैश्विकता सूचना प्रवाह के साथ, यह ऐसी सरकारों और नौ-सरकारी तद्देशों को मुक्त छूट देगा जो लोकतंत्र को नुकसान पहुँचा और हर जगह समाज का घुपाकरण करने के लिए औद्योगिक पैमाने पर दुष्प्रचार करते हैं।

9. बड़ी टेक कंपनियों और यूरोपीय सरकारी संस्थाओं के बीच असाधारण लॉबिसंग मशीनरी, भामक समर्थन अभियान (astroturfing) और कर्मचारियों की अदला-बदली को चुनौती दें।

हम संयुक्त राष्ट्र (UN) का आह्वान करते हैं कि:

10. पत्रकारों की सुरक्षा (SESJ) पर केंद्रित संयुक्त राष्ट्र महासचिव का विशेष प्रतिनिधि गठित करें जो मौजूदा यथास्थिति को चुनौती देगा और अंततः पत्रकारों के खिलाफ होने वाले अपराधों के लिए प्रतिबंधों को बढ़ाएगा।

हस्ताक्षरकर्ता:
दिममती मुर टोि, 2021 नोबेल शांति पुरस्कार विजेता
मारिया रेसा, 2021 नोबेल शांति पुरस्कार विजेता